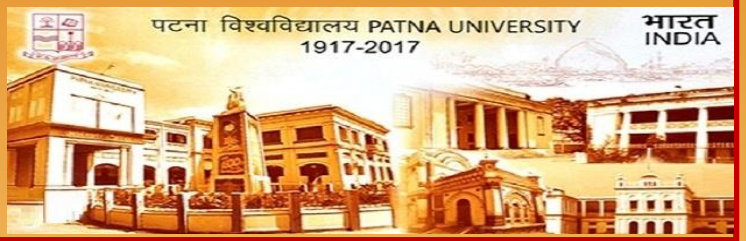

Patna University In News (09.09.2022)

दैनिक भास्कर

पटना कॉलेज में फाइन आर्ट और स्पोर्ट्स कोटा के लिए ट्रायल 10 को

पटना | पटना कॉलेज में बीए सत्र 2022-25 में फाइन आर्ट और स्पोर्ट्स कोटा के तहत नामांकन होना है। फाइन आर्ट के लिए ट्रायल 10 सितंबर को होगा जो 10.30 से लेकर 1.30 तक चलेगा। वहीं स्पोर्ट्स कोटा के लिए ट्रायल 11 से 2 बजे तक होगा। छात्रों को ट्रायल के लिए ओरिजनल डॉक्यूमेंट, एप्लीकेशन फार्म, पीयूसीईटी में प्राप्त नबंर, फाइन आर्ट सर्टिफिकेट, स्पोर्ट कोटे के लिए स्पोर्ट का सर्टिफिकेट, सभी डॉक्यूमेंट की फोटो कॉपी और पासपोर्ट साइज का 4 फोटो साथ लाना है।

दैनिक जागरण

पटना विश्वविद्यालय के संस्कृत विभाग में संगोष्ठी में विचार रखते शिक्षाविद्। ● जागरण

श्रीमद्भगवद्गीता हर धर्म के लिए उपयोगी : डीएन गौतम

जास, पटना : पटना विश्वविद्यालय, संस्कृत विभाग में श्रीमद्भगवद्गीता के भक्ति मीमांसा विषय पर स्टडी सर्किल का आयोजन किया गया। इसका आयोजन इंडियन काउंसिल आफ फिलासफिकल रिसर्च, नई दिल्ली और फिलासफी स्टडी सर्किल, पटना के संयुक्त तत्वाधान से किया गया। इसमें मुख्य वक्ता के रूप में शामिल बिहार के पूर्व डीजीपी डीएन गौतम ने भगवत गीता को आज के दौर में भी प्रासंगिक बताते हुए कहा कि यह हर धर्म के लिए उपयोगी है। आइसीपीआर के पूर्व चेयरमैन आरसी सिन्हा ने भक्त और भक्ति के बीच के अंतर को समझाया। दर्शनशास्त्र के अध्यक्ष प्रो. राजेश कुमार सिंह ने अतिथियों का स्वागत करते हुए भगवत गीता के प्रयोजन को समझाया। मानवीय संकाय के डीन व हिंदी विभाग के अध्यक्ष प्रो. तरुण कुमार ने कहा कि भगवत गीता का अध्ययन ईश्वरवादी एवं निरीश्वरवादी दोनों को करना चाहिए। इस अवसर पूर्व आईएएस आरके झा, प्रो. पूनम सिंह, प्रो. एनपी तिवारी, प्रो. किरण कुमारी, फिलासफी की फेकल्टी डा. आकांक्षा, डा. वीरेंद्र कुमार भारती, सहित शिक्षक एवं छात्र थे ।

पटना विवि में बांग्ला विषय में एक भी शिक्षक मौजूद नहीं

संवाददाता, पटना

पटना विश्वविद्यालय के 2022-25 सत्र में बांग्ला विषय में एक भी नामांकन नहीं हुआ है. विवि से जानकारी मिली है कि पूरे विवि में बांग्ला में एक भी शिक्षक नहीं होने से अब छात्रों का झुकाव इस कोर्स में नहीं रहा. पहले पटना विवि में बड़ी संख्या में बांग्ला के शिक्षक व छात्र हुआ करते थे. चूंकि शुरू में जब विवि की स्थापना हुई थी, उस समय बिहार-बंगाल एक ही था. इससे बांग्ला के काफी शिक्षक व छात्र यहां थे. बाद में धीरे-धीरे संख्या कम होती गयी. शिक्षक रिटायर होते गये और फिर कभी नियुक्त नहीं हुए. पीयू शिक्षक संघ के पूर्व अध्यक्ष डॉ रणधीर कुमार सिंह ने बताया कि बांग्ला में पीयू की अंतिम शिक्षिका प्रो प्रतिमा सरकार थीं, जो 2019 में रिटायर हुईं. एक समय में बांग्ला पीयू का महत्वपूर्ण विषय था और बड़ी संख्या में छात्र यहां विशेषकर यह पढ़ने आते थे.

पीपीयू : बीएड का फॉर्म भी नहीं भरा गया

पटना. पाटलिपुत्र विश्वविद्यालय में बीएड फर्स्ट व सेकेंड इयर का अब तक फॉर्म भी नहीं भरा गया है. परीक्षा सितंबर में होनी है. छात्र-छात्राओं ने बताया कि अब तक सिर्फ रजिस्ट्रेशन ही हुआ है. जबकि विवि के द्वारा सितंबर में ही परीक्षा कराने की घोषणा की गयी है. राज्य सरकार को जो शेड्यूल विवि के द्वारा भेजा गया है, उसमें भी सितंबर में परीक्षा कराने की बात है.

प्रभात खबर
Fri, 09 September 2022
https://epaper.prabhatkhabar.co